

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvd@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
બિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2. Please provide web-link of research papers by title, author, Department/ School/Division/ Centre/ Unit/ Cell, name and year of publication for all the 5 assessment years. (2016-17)

Title of the book/chapters published	Name of the teacher	Department	Name of the publisher	Year of publication
Bharat Rus Arbek Ba Samsamayik Sarokar	Dr.N.R.Patel (Principal)	Gujarati	Adhvet prakashann	2016-17
Gujaratibharatiy Bhasha Lok Sarvexan	Dr.P.R.Patel	Gujarati	bhasha research & publication centre, vadodara	2016-17
Madhyakalin Padyakruti Vimarsh	Dr.P.R.Patel	Gujarati	Shri Veer Tatva Prakashak Mandal Samadhi Mandir	2016-17
Folk Fairs Of Sabarkantha District	Dr.J.G.Chaudhari	History	Dr.Gaurangsharan-Devachary, Arvalli Prakashan, shreevidya publication Himmatanagar	2016-17
Folk Fairs Of Arvalli District	Dr.J.G.Chaudhari	History	Dr.Gaurangsharan-Devachary, Arvalli Prakashan, shreevidya publication Himmatanagar	2016-17




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrvdi@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

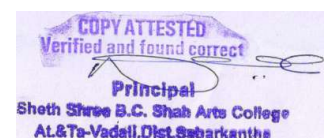
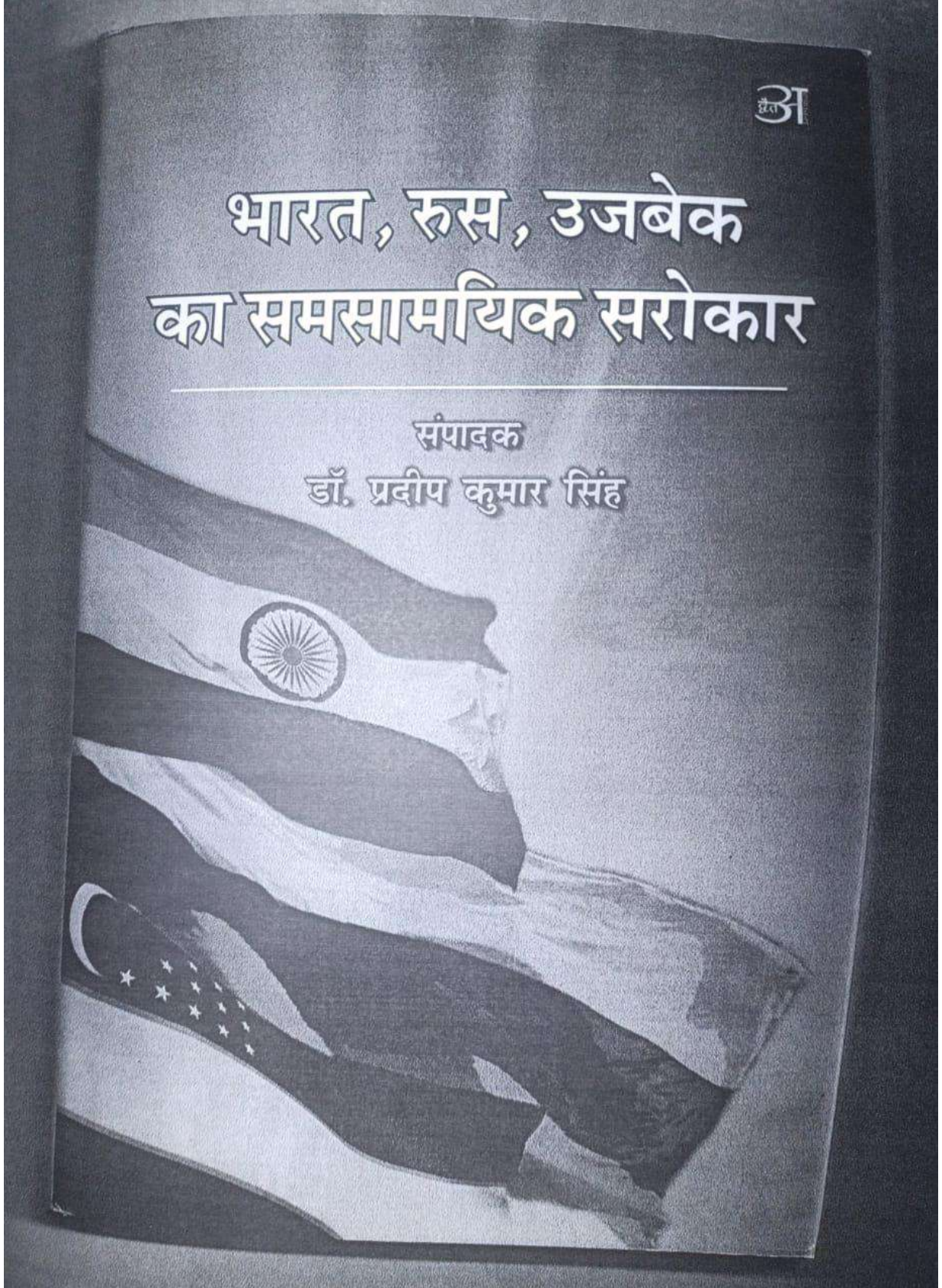
મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
ધિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

Sl.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	Year of publication	ISBN/ISSN number of the proceeding	Whether at the time of publication Affiliating Institution Was same Yes/NO	Name of the publisher
1	Dr.N.R.Patel (Principal)	Bharat Rus Arbek Ba Samsamayik Sarokar	Renaissance in Europe - Definition & Reason	Bhumandali karanke daurme bharatiy or rusi sanskrutika yogdan	2016- 17	978-93-82554- 52-3	No	Adhvet prakashann
2	Dr.P.R.Patel	Gujaratibhar atiy Bhasha Lok Sarvexan	Garasiya	Nil	2016- 17	978-81-250- 6112-0	No	bhasha research & publication centre, vadodara
3	Dr.P.R.Patel	Madhyakalin Padyakruti Vimarsh	Sthoolibhadr avishayak Fagukavyom a Bhavpax & Kalapaxnee Tapas	Nil	2016- 17	978-93-83814- 59-6	No	Shri Veer Tatva Prakashak Mandal Samadhi Mandir
4	Dr.J.G.Chaudhari	Folk Fairs Of Sabarkantha District	Nil	Nil	2016- 17	978-93-82173- 73-1	No	Dr.Gaurangsharan- Devachary, Arvalli Prakashan, shreevidya publication Himmatanagar
5	Dr.J.G.Chaudhari	Folk Fairs Of Arvalli District	Nil	Nil	2016- 17	978-93-82173- 73-3	No	Dr.Gaurangsharan- Devachary, Arvalli Prakashan, shreevidya publication Himmatanagar




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

Renaissance in Europe - Definition & Reason - Dr.N.R.Patel



आ

भारत, रूस, उजबेक
का समसामयिक सरोकार

लेखक
डॉ. प्रदीप कुमार मिश्र



₹ 400/-



अद्वैत प्रकाशन

adwaitprakashan@gmail.com

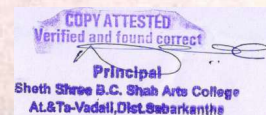
ISBN 978-93-82554-52-3



9 789382 554523

अनुक्रम

आशीर्वाद	(v)
दो शब्द	(vii)
संपादकीय	(ix)
उनका चिंतन और बहुआयामी जीवन : श्री अनिल शास्त्री	13
ममता, त्याग और श्रद्धा की प्रतीक देवी : श्री इन्द्रमणि सिंह	19
रूसी साम्राज्य के विकास में शिक्षा, भाषा-साहित्य तथा प्रकाशन का योगदान : डॉ. प्रदीपकुमार सिंह	31
उज्बेकिस्तान का सांस्कृतिक वैविध्य : डॉ. अनिल सिंह	42
भारत की संस्कृति : डॉ. विनय कुमार	47
रूस का समाज : डॉ. अजय भाई पटेल	52
कालजयी कहानी : कथ्य और तथ्य : प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण	57
भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय, रसियन और उज्बेकी संस्कृति का योगदान : विजय कुमार सदेश	79
भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय संस्कृति का योगदान : डॉ. पुष्पा रानी	83
यूरोप में पुनर्जागरण : परिभाषा तथा कारण : डॉ. नरेशभाई रामजीभाई पटेल	92
इतिहास के आईने में रूस : प्रो. सत्यनारायण राव	98
रूस की सांस्कृतिक चेतना : डॉ. सविता सिंह	104
उज्बेकिस्तान : समाज तथा भाषा : प्रा. गोविंद मुरारका	111



यूरोप में पुनर्जागरण : परिभाषा तथा कारण

डॉ. नरेशभाई रामजीभाई पटेल

प्राचीन काल में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और वैचारिक आंदोलन का प्रणेता भारत को माना जाता था। इसी प्रकार आधुनिक काल में पुनर्जागरण, प्रजातंत्र सहित कई विचारधाराएँ यूरोप से प्रवाहित हुईं, जिससे आधुनिक युग का सूत्रपात हुआ। जिस प्रकार प्राचीन काल का वैचारिक नेतृत्व भारत (विशेषकर बिहार—बौद्ध धर्म, जैनधर्म, तिब्बती गणतंत्र का प्रादुर्भाव यहीं से हुआ) ने किया, उसी तरह मध्यकाल का वैचारिक नेतृत्वकर्ता इन यूरोप को मान सकते हैं। विश्व के सात महाद्वीपों में यूरोप दूसरा सबसे छोटा महाद्वीप है। पुनर्जागरण की प्रक्रिया पंद्रहवीं शताब्दी से विश्व-स्तरीय पर शुरू हुई, जिसका संपूर्ण विश्व में धीरे-धीरे प्रभाव पड़ा। पुनर्जागरण के पश्चात मध्यकालीन कृष-मंडकता दूर हुई और तख्यपरक विश्लेषण का दौर शुरू हुआ। नवीन दुनिया की खोज यूरोप ने की थी। अफ्रीका और एशिया में औपनिवेशिक, व्यापारिक तथा ईसाई धर्म के प्रचार की गतिविधियाँ यूरोप ने की थीं। विश्व के एक भाग को, दूसरे भाग के साथ घनिष्ठ संबंध से जोड़ने वाला यूरोप था और उसमें भी विशेष तौर पर, पश्चिमी यूरोप था। आधुनिक युग के प्रारंभ में पश्चिमी यूरोप में व्यापक सांस्कृतिक जागृति निरंतर हो गई और उसके स्थान पर नवीन भौतिक विकास की व्यापक गतिविधियाँ प्रारंभ हुईं। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण कहलाता है। इसका सूत्रपात इटली से हुआ, परंतु जल्दी ही इंग्लैंड, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी, नीदरलैंड आदि सभी पश्चिमी यूरोपीय देशों में व्याप्त हो गया।

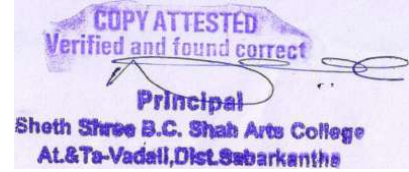
92 / भारत, रूस, उज़बेक का समवायिक सरोकार

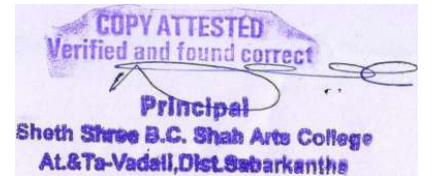
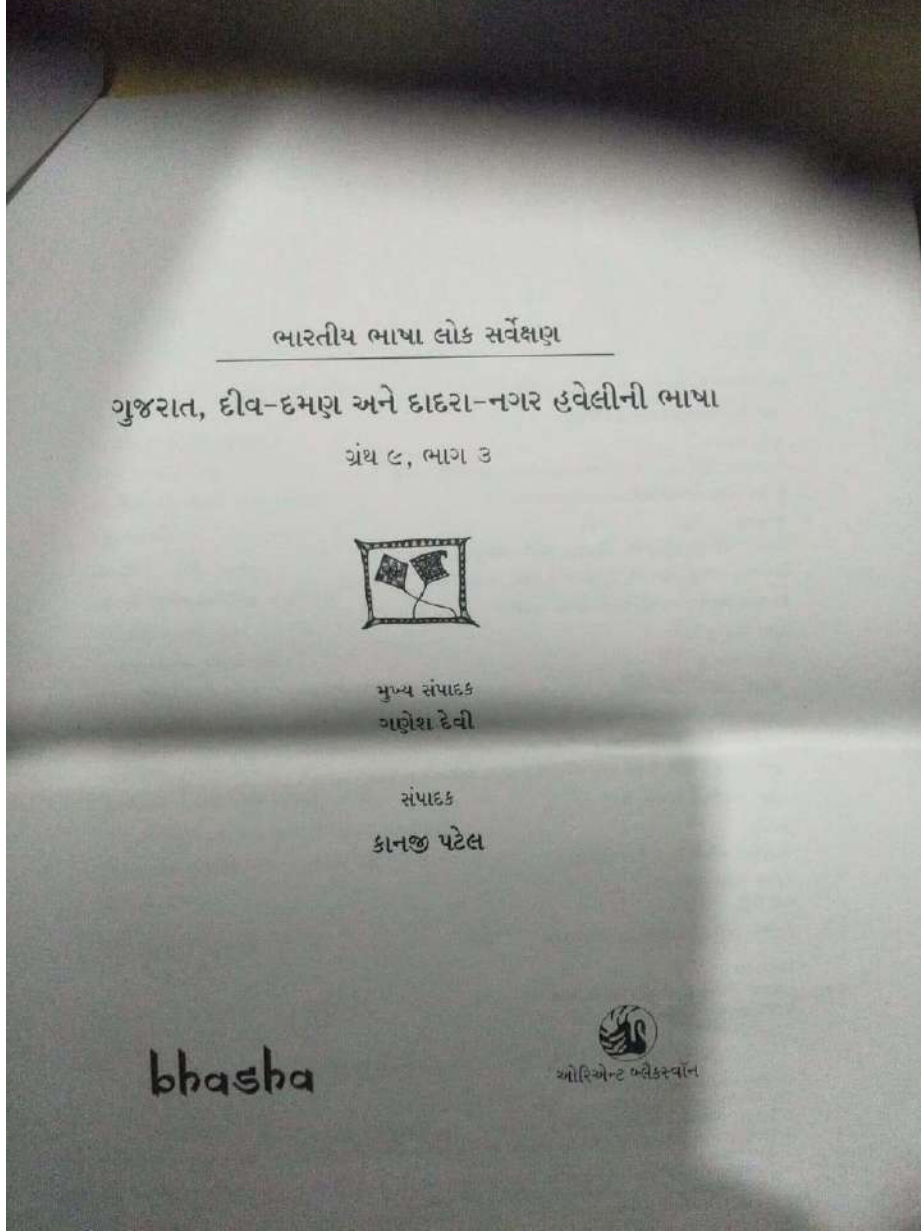
पुनर्जागरण से अभिप्राय

पुनर्जागरण का आशय मध्यकालीन विभ्रंशकाल में सोई हुई सभ्यता को, प्राचीन ग्रीको-रोमन आदर्शों के आधार पर जगाने से है, अर्थात् प्राचीन ग्रीको-रोमन संस्कृति के पुनर्प्रचलन से है। आधुनिक युग के प्रारंभ में पश्चिमी यूरोप में 1453 ई. में 1650 ई. तक साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, दर्शन, विज्ञान आदि क्षेत्र में जो भी गतिविधियाँ हुईं, चाहे उनका आधार प्राचीन ग्रीको-रोमन संस्कृति रहा हो या उनका नया विकास हुआ हो, सभी का अध्ययन पुनर्जागरण के तहत किया जाता है। स्पष्ट है कि पुनर्जागरण का उद्देश्य ग्रीको-रोमन संस्कृति की तरह नागरिकों का ध्यान पुनः आकर्षित करना ही नहीं था, अपितु इसके नवीन विचारों के आधार पर इन नूतन भविष्य का सृजन करना भी था। इस शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में किया जाना चाहिए। प्रसिद्ध इतिहासकार रॉबर्ट एरगॉन्स लिखते हैं, सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आशय मध्य-युग से आधुनिक युग को ताने वाले उन सभी परिवर्तनों से है, जैसे—सामंती व्यवस्था का पतन, प्राचीन साहित्य के अध्ययन के प्रति अभिरुचि, राष्ट्रीय राज्यों का उत्कर्ष, आधुनिक विज्ञान का आरंभ, गतिशील जड़ों एवं छापाखानों का आविष्कार, बालूद, कुतुबनुमा का आविष्कार, नये व्यापारिक मार्गों की खोज, नए देशों तथा अमेरिका की खोज तथा प्रारंभिक पैरोबाद के विकास से है। ऐसे ही विचार फिशर ने भी व्यक्त किए हैं, सर्वप्रथम इटली के नगरों में प्राचीन यूनानी एवं रोमन कला, साहित्य, संस्कृति का पुनर्गठन, मानवतावादी आंदोलन का प्रारंभ, धार्मिक क्षेत्र में प्राचीन यूनानी सभ्यता का समावेश, स्थापत्य एवं चित्रकला का नवीन स्वरूप, व्यक्तिवादी एवं स्वतंत्र व्यापार के सिद्धांतों का विकास, नवीन रूचि, नया दृष्टिकोण, वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक आलोचना, छापाखानों का आविष्कार, दर्शन एवं धर्मशास्त्र का नवीन स्वरूप तथा विवेचन आदि विशेषताओं को सामूहिक रूप से सांस्कृतिक पुनर्जागरण कहते हैं। डी. डब्ल्यू साउथगेट भी लिखते हैं—“पुनर्जागरण के तहत अन्वेषण की भावना का विकास हुआ, विचारधारा एवं कार्य में स्वतंत्रता की भावना का विकास हुआ, जब भूतकाल की शिक्षाओं, अंधविश्वासों तथा परंपराओं को बिना प्रश्न किए लोग स्वीकार करने को सहमत नहीं थे। मध्ययुगीन संस्थाओं के प्रति एक आलोचनात्मक प्रवृत्ति थी, जो बक्त के साथ बढ़ती गई।”

इस प्रकार पुनर्जागरण के उपरांत संपूर्ण यूरोप में वैचारिक स्तर पर जाति उत्पन्न हुई। जनता का जीवन के प्रति मोह पैदा हुआ। सांसारिक सुखों ने भी

यूरोप में पुनर्जागरण : परिभाषा तथा कारण / 93





भारतीय भाषा शोध संस्थान - मुंबई, टी.टी.एम.ए. अन. हाउस-नगर हवेलीची भाषा, अंध. ६, भाग ३

ओरिएन्ट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य अर्थावय

३-६-७५२ सिमाथत नगर, देहरादून २०० ०२८ (तेलंगणा), भारत

ई-मेल : centraloffice@orientblackswan.com

साथीसो

भेगलोर, ओपाय, बुलनेरवर, कोलकाता, चेन्नई, अनांदपुरम, गुवाहाटी,

देहरादून, कथपुर, लखनऊ, मुंबई, नवी दिल्ली, नोडडा, पटना, विनायका

© भाषा संशोधन अन्वय प्रबन्धन केंद्र, वडोदा

प्रथम संस्करण २०१६

अंध. ६, भाग ३

ISBN : 978-81-250-6112-0

पुस्तक संख्या : ओरिएन्ट ब्लैकस्वान

आवरण संख्या : भारत ईशान्य

टाइप सेटिंग : भाषा संशोधन अन्वय प्रबन्धन केंद्र, वडोदा द्वारा प्रिंटिंग मुंबईतील ३५० १२/१५५५ अक्षित

मुद्रक : वडोदाप्रेस प्रिंटर्स, दिल्ली

प्रकाशक

ओरिएन्ट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड

१/२४ आर.डी. अली रोड

नवी दिल्ली ११० ००२

ई-मेल : delhi@orientblackswan.com

Maps by

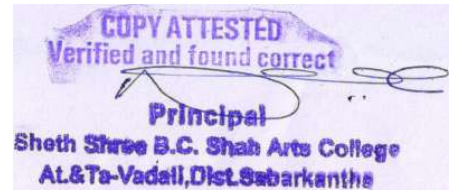
Sangam Books (India) Private Limited

Hyderabad

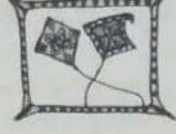
The following are applicable for the maps in this book:

1. © Government of India. Copyright 2015.
2. The responsibility for the correctness of the internal details rests with the publisher.
3. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
4. The external boundaries and coastlines of India agree with the Record/Master Copy certified by the Survey of India vide their letter No. T.B. 645/62-A-3/A, dated 3 December 2015.
5. The spelling of names in the maps have been taken from various sources.

भारतीय भाषा शोध संस्थानाचे वडोदा येथील मुद्रक अक्षित आर.डी. अली रोड येथे छपाई करण्यात आली आहे.



૧૫



ગરાસિયા

હસુ યાજ્ઞિક, ભગવાનદાસ પટેલ, પ્રભુદાસ પટેલ

ગરાસિયા ભીલી

બનાસકાંઠા અને સાબરકાંઠાના દાંતા વગેરેના વિસ્તારમાં ગરાસિયા ભીલ અને ડુંગરી ભીલ એવી ભીલોની બે જાતિઓનો વસવાટ છે. ગરાસિયા ભીલના પણ બે પ્રકાર-જાતિગત પેટા પ્રકાર છે. જેમાં ગરાસિયા અને સોખલા ગરાસિયાનો સમાવેશ થાય છે. તે બન્ને પેટાજાતિઓની ભાષાઓનો સમાવેશ ભીલીમાં થાય છે અને તેમનાં કંઠ-પરંપરાનાં સાહિત્ય, ધર્મ, ઋદ્ધા અને સામાજિક રીતરિવાજ તથા વિધિવિધાનમાં કેટલીક પાયાની સમાનતા હોવા છતાં જાતિગત, ઉત્પત્તિ, કુળમૂળની દૃષ્ટિએ કેટલીક ભિન્નતા પણ છે. જેથી એગની ભાષામાં પણ કેટલોક મહત્વનો ભાષાકીય તફાવત પણ છે.

ગરાસિયા ભીલ જાતિનો વસવાટ ગુજરાતના દાંતા, અમીરગઢ અને ખેડબ્રહ્મા તાલુકાઓમાં આવેલી અરવલ્લી પહાડની ટેકરીઓનાં ગામોમાં છે. ગરાસિયા અને સોખલા ગરાસિયા એ બન્ને પેટાજાતિઓનો સમાવેશ આદિવાસી ભીલની મુખ્ય જાતિમાં થતો હોવાથી તે બન્ને પેટાજાતિઓના અલગ અલગ ભાષકસંખ્યાના આંકડા મળતા નથી. આથી ઈ.સ. ૧૯૯૧ની ગણતરી પ્રમાણે ભાષક સંખ્યા ૧,૪૮,૯૨૦ છે, જેમાં પુરુષની સંખ્યા ૭૬,૦૫૮ અને સ્ત્રીઓની સંખ્યા ૭૨, ૮૬૨ છે.

ગરાસિયા ભીલની જાતિનો વસવાટ શામળાજીથી રતનપુરમાં છે. દાંતા તાલુકાનાં રાણપુર વગેરે ૧૪ જેટલાં ગામડાંમાં, બોટિયાવાળી(કાનપુર) જેવા અમીરગઢના વિસ્તારમાં સોખલા ગરાસિયાનો વિશેષ વસવાટ છે. દાંતા-અમીરગઢના તાલુકાની ઉત્તર દિશાએ આગળ વધતાં રાજસ્થાનની સીમા આવે છે. આથી આ પટ્ટીની નજીક વસતા સોખલા ગરાસિયાનાં ભાષા, જીવન-પદ્ધતિ અને સંસ્કૃતિ પર રાજસ્થાનની વિશેષ અસર છે.

ભીલી ભાષાનાં કુલ મૂળ અને પેટા -પ્રકાર

ભીલોની વસ્તી ગુજરાતના ઉત્તર પશ્ચિમ ભાગથી આરંભીને તે છેક દક્ષિણ ગુજરાતના ડાંગના વિસ્તાર સુધીમાં છે. આમાં મુખ્ય ભીલ આદિવાસી જાતિ ઉપરાંત અન્ય ૨૩-૨૪ જેટલી બીજી તડવી, રાઠવા, કુણાબી, ઘોડિયા, ચૌધરી જેવી આદિવાસી જાતિઓ છે અને તેમની ભાષાઓ જુદી મનાતી હોવા છતાં એ બધી જ ભાષાઓનો મૂળ અને કુળનો સંબંધ ભીલી સાથે છે. આ મૂળ ભીલીનો જન્મ ઈ.સ. ૮૫૦ પછી નવી અર્વાચીન આર્યભાષાઓ જન્મી તેની સાથે છે. આ ગાથાની રાજસ્થાન -ગુજરાતની શૌરસેની અપભ્રંશમાંથી જન્મેલી ત્રિપરતને જેને Old Western Rajasthani કહેવે અને ઉમારાંકર બેરીએ એને મારુ-ગુર્જર ભાષા તરીકે ઓળખાવી તેની સાથે છે. પશ્ચિમની નવમી સદીથી જન્મેલી આ મુખ્ય ભાષામાંથી જ જેમ ગુજરાતી અને રાજસ્થાની એમ બે મુખ્ય ભાષાઓ જુદી પડી, તેમ જો કાળે રાજસ્થાન -ગુજરાતમાં મારુ-ગુર્જર ભાષા બોલાતી હતી તે સમયે ચારણ જાતિઓનું ભાષાનું સ્વરૂપ પણ મારુ-ગુર્જર હતું. એનો કુળગત સંબંધ શૌરસેની અપભ્રંશ સાથે જ હતો અને તેમાંથી ચારણી-



COPY ATTESTED
Verified and found correct
Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha



MADHYAKALIN PADHYAKRUTI VIMARSH - DR.P.R.PATEL

મધ્યકાલીન પદ્યકૃતિ વિમર્શ

(કાવ્ય-બારમાસી-ચોવીસી)

સંપાદકો
ડૉ. અભય દોશી
ડૉ. સેજલ શાહ

✓
MADHYAKALIN PADHYAKRUTI VIMARSH
A collection of Essays on scholars of Jain literature and Research
Edited by
Dr. Abhay Doshi and Dr. Sejal Shah

Published by
Shri VeerTatva Prakashak Mandal Samadhi Mandir,
- VTP chowk, Shivpuri - 473551
Mukeshji Bhandavat.
M.No. 09425136615
Shri Roop Manek Bhanshali Cheritable Trust
128/129, Mittal chambers
228 Nariman Point, Mumbai 400 021
Phone : 022-66376491

પ્રથમ આવૃત્તિ ૨૦૧૬

પ્રત - ૩૦૦

કિંમત : ૫૦૦/-

ISBN : ૯૭૮-૯૩-૮૩૮૧૪-૫૯-૬

પ્રાપ્તિસ્થાન

શ્રીરૂપ માણેક ભંશાલી ચેરીટેબલ ટ્રસ્ટ
૧૨૮/૧૨૯, મિતલ ચેમ્બર્સ,
૨૨૮, નરિમાન પોઇન્ટ, મુંબઈ ૪૦૦ ૦૨૧
ફોન : ૦૨૨-૬૬૩૭૬૪૯૧

ગૂર્જર એજન્સી

રતનપોળનાકા સામે, ગાંધી માર્ગ, અમદાવાદ-૩૮૦ ૦૦૧
ફોન : ૨૨૧૪૪૬૬૩

ટાઈપસેટિંગ

શારદા મુદ્રણાલય

૨૦૧, તિલકરાજ, પંચવટી પહેલી લેન, એલિસબ્રિજ, અમદાવાદ-૬.
ફોન : ૨૬૫૬૪૨૭૯

મુદ્રક

ભગવતી ઓફસેટ, અમદાવાદ



‘સ્થૂલિભદ્રવિષયક ફાગુકાવ્યોમાં ભાવપક્ષ અને કલાપક્ષની તપાસ’

◆ ડૉ. પ્રભુદાસ આર. પટેલ

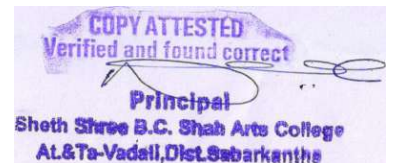
જૈન સાહિત્ય બહુધા વિરક્ત સાધુઓ દ્વારા રચાયું છે. તેથી તે મોટા ભાગે ધર્મમૂલક રહ્યું છે. જૈન ધર્મના પાયામાં ત્યાગ અને સંયમ જેવા ભાવો રહેલા છે. તેથી તેમની ફાગુરચનાઓમાં આરંભમાં સંયમિત રૂપે શૃંગારરસનું નિરૂપણ અને અંતે સંયમ, ત્યાગ કે ઉપશમમાં પરિણમતું હોય તે પ્રકારનું નિરૂપણ વિશેષ સાંપડે છે. જૈન કથાનકોમાં નેમિનાથ અને સ્થૂલિભદ્ર જેવાં ચરિત્રો સાથે સંકળાયેલ જીવનપ્રસંગોમાં વસંતઋતુ નિમિત્તે શૃંગારરસ નિરૂપવાનો અવકાશ છે. તેથી જ સૌથી વધુ ફાગુરચનાઓ નેમિનાથ - રાજુલ અને સ્થૂલિભદ્ર - કોશાના કથાનક ઉપર રચાયાં છે.

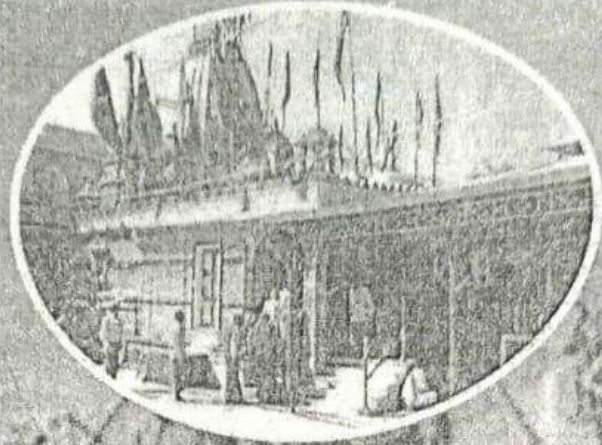
કથાવસ્તુ મૌલિક હોય કે ધર્મપ્રધાન - તે સર્જકની કલમે અવતરે છે ત્યારે તેનું પોતીકું બની જાય છે. પ્રત્યેક કૃતિમાં સર્જકપ્રતિભાના સંસ્પર્શો કશાકને કશાક, વિશેષ ઉન્મેષો વ્યક્ત થાય જ છે. તેથી જ એક જ વિષય આધારિત એકાધિક રચનાઓમાં અલગ-અલગ ભાવનો અનુભવ થાય છે. નેમિનાથ કે સ્થૂલિભદ્ર જેવા મહાન ત્યાગીઓનાં ચરિત્રો જૈન સર્જકોએ સહેતુક પસંદ કર્યાં છે. કેમ કે વૈરાગ્ય કે ભક્તિના કોરાકટ ઉપદેશને બદલે આવા સંયમશીલ ચરિત્રોને શૃંગારિક ભૂમિકાએ મૂકીને, અંતે વિજયી થતા દર્શાવાય તો બોધ પ્રભાવક રૂપમાં ભાવક ઝીલી શકે. આવા ધર્મપુરુષો, ત્યાગી-શ્રાવકોના ચરિત્રો માટે ગવાયેલાં સ્તવનો ભલે સંસારની - અસારતા કે ભાષાલાલિત્ય જોઈએ તો સાધુચિત્તમાંય રહેલી કવિ ભાગ્યે જ છૂપો રહેશે. અહીં મારો ઉપક્રમ સ્થૂલિભદ્ર વિષયક રચનાઓના ભાવપક્ષ અને કલાપક્ષ ઉભયની તપાસ કરવાનો રહેશે.

અત્યાર સુધી સ્થૂલિભદ્ર અને કોશાના કથાનક સાથે સંકળાયેલાં ચારેક ફાગુકાવ્યો સાંપડે છે: (૧) જિનપદ્મસૂરિકૃત ‘સ્થૂલિભદ્ર ફાગ.’ (૨) હલરાજકૃત ‘સ્થૂલિભદ્ર ફાગુ’ (૩) જયવંતસૂરિકૃત ‘સ્થૂલિભદ્ર - કોશા પ્રેમવિલાસ ફાગ’ અને (૪) માલદેવકૃત ‘સ્થૂલિભદ્ર ફાગ’

આ ચારેય રચનાઓમાં સ્થૂલિભદ્ર - કોશાનું કથાનક જુદીજુદી રીતે વસ્તુગ્રથન પામ્યું હોઈ સ્થૂલિભદ્રના જીવનવિષયક સંક્ષિપ્ત રૂપરેખા જાણવા પછી આ કૃતિઓની તપાસ કરીએ:

‘સ્થૂલભદ્રવિષયક ફાગુકાવ્યોમાં ભાવપક્ષ અને ...’ † ૧૦૧





સાબરકાંઠા જિલ્લાના
લોકમેળાઓ

પ્રા. ડૉ. જસરાજભાઈ ચૌધરી





ISBN-978-93-82173-73-1

(C) Dr. Jasarajbhai chaudhari

प्रथम आवृत्ति : २०१६, प्रत : ५००, मूल्य : १५०/००

प्रकाशक :-

डॉ. स्वामी गौरांगशरणादेवाचार्य
अरावली प्रकाशन
'श्रीपंचमुष्णी 'दुमान मंदिर'
पोस्ट बॉक्स नं. ११
छिंमतनगर (साबरकांठा)
मो.नं.८४२८१ ७८८५४

टाईप सेटींग

श्री निम्बार्क मीडिया पब्लिकेशन
छिंमतनगर

मुद्रक :

श्रीविद्या ओफ़सेट
पो.बो.नं. ११, छिंमतनगर

Sabarkantha jilla na lokmelao

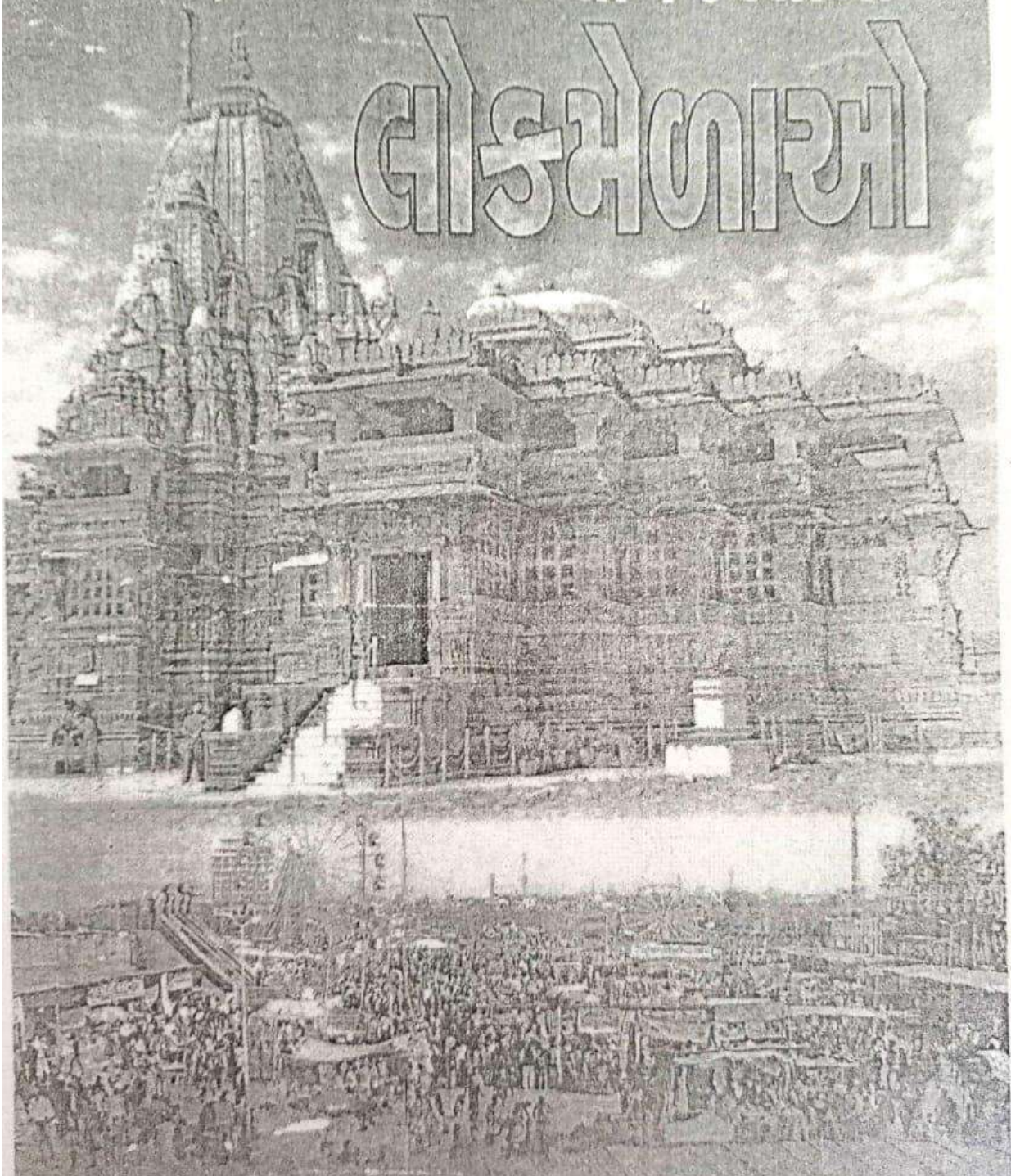
By Dr. Jasarajbhai chaudhari

साबरकांठा जिल्ला लोक्मेलाओ - २





અરવલ્લી જિલ્લાના લોકમેળાઓ



પ્રા. ડૉ. જસરાજભાઈ ચૌધરી



ISBN-978-93-82173-72-4

(C) Dr. Jasarajbhai chaudhari

પ્રથમ આવૃત્તિ : ૨૦૧૬ , પ્રત : ૫૦૦ , મૂલ્ય : ૧૫૦/૦૦

પ્રકાશક :-

ડૉ. સ્વામી ગૌરાંગશરણદેવાચાર્ય
અરાવલી પ્રકાશન
'શ્રીપંચમુખી હનુમાન મંદિર'
પોસ્ટ બોક્સ નં. ૧૧
હિંમતનગર (સાબરકાંઠા)
મો.નં.૯૪૨૯૧ ૭૯૮૫૪

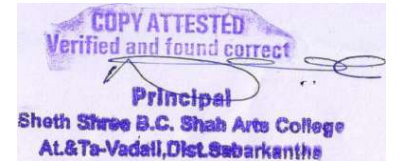
ટાઈપ સેટીંગ

શ્રી નિબ્બાર્ક મીડિયા પબ્લિકેશન
હિંમતનગર
મુદ્રક :
શ્રીવિદ્યા ઓફસેટ
પો.બો.નં. ૧૧, હિંમતનગર

Aravalli jilla na lokmelao

By Dr. Jasarajbhai chaudhari

અરાવલી જિલ્લાના લોકમેલાઓ - ૨



Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrvdl@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
ધિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2. Please provide web-link of research papers by title, author, Department/ School/Division/ Centre/ Unit/ Cell, name and year of publication (2017-18).

Title of the book/chapters published	Name of the teacher	department	Name of the publisher	Year of publication
Kumarshambhavam	Dr.M.D.Parmar	Sanskrit	Green Flag Foundation	2017-18
Shubhashitmala	Dr.M.D.Parmar	Sanskrit	Green Flag Foundation	2017-18
Adhit - Essays Highlighting The Forest Culture In The Polo Padar	Dr.P.R.Patel	Gujarati	Adhit Oghanchalish	2017-18
Vat Manasni - The Character Of The Female Creator In 'Pidu Gulab Ane Hu'	Dr.P.R.Patel	Gujarati	Rangdvar Publication	2017-18




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvd1@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
ધિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

Sl. No	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	Year of publication	ISBN/ISSN number of the proceeding	Whether at the time of publication Affiliating Institution Was same Yes/NO	Name of the publisher
1	Dr.M.D.Parmar	Kumarshambhavam	Nil	Nil	2017-18	978-93-86366-46-7	No	Green Flag Foundation
2	Dr.M.D.Parmar	Shubhashitmal a	Nil	Nil	2017-18	978-93-86366-47-4	No	Green Flag Foundation
3	Dr.P.R.Patel	Adhit	Essays Highlighting The Forest Culture In The Polo Padar	Nil	2017-18	978-93-5162-411-0	No	Adhit Oghanchalish
4	Dr.P.R.Patel	Vat Manasni	The Character Of The Female Creator In ' Pidu Gulab Ane Hu'	Nil	2017-18	978-93-80125-93-0	No	rangdvar publication




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

॥ ॐ ॥

महाकविकालिदासविरचितम्

कुमारसम्भवम्

(सुबोधिकाटीकासहितम्)

प्रा.डॉ.मनुभाई डी. परमार
संस्कृत विभाग,
आर्ट्स कॉलेज, वडाली
जि. - साबरकांठा, गुजरात

प्रकाशक

ग्रीन फ्लेग फाउंडेशन
सोनासण, जिल्ला : साबरकांठा , गुजरात राज्य ,
पिन, ३८३२१०

i



C. Pro. Dr. Manubhai D. Parmar

पुस्तक के किसी भी भाग या समुचित पुस्तक का किसी अन्य सदस्य को इस्तेमाल करने या फोटो कपी करने से पहले लेखक की पूर्ण सख्ती सेना अनिवार्य है। कभी भी कोपी राइट एक्ट का उल्लंघन माना जाएगा और ये कामूनी तौर पर अय्याध है।

ISBN 978-93-86366-46-7

प्रकाशन वर्ष

अगस्त, २०१७

टाइप & सेटींग

भरत बी. पटेल

एक्सेलेस कोम्प्युटर सेन्टर, हिमतनगर

प्रिन्टिंग & बाइंडिंग

भगवती प्रिन्टिंग प्रेस, हिमतनगर

प्रकाशक

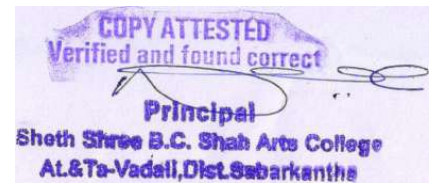
ग्रीन फ्लेग फाउंडेशन

सोनासण, जिल्ला : साबरकांठा, गुजरात राज्य, पिन. ३८३२१०

एक प्रत का मुल्य: ३२५/- रु.

अनुक्रमणिका

१. प्रथमः सर्गः	०१
२. द्वितीयः सर्गः	३७
३. तृतीयः सर्गः	६६
४. चतुर्थः सर्गः	१०६
५. पञ्चमः सर्गः	१२५
६. षष्ठः सर्गः	१६८
७. सप्तमः सर्गः	२०३



सुभाषितमाला

संपादक

प्रा.डॉ. मनुभाई डी. परमार

संस्कृत विभाग

आर्ट्स कोलेज, वडाली

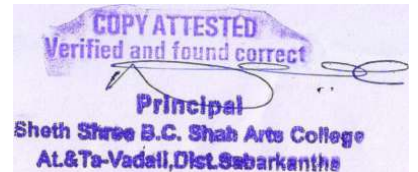
(गुजरात)

प्रकाशक

ग्रीन फ्लेग फाउंडेशन

सोनासण, जिल्ला : साबरकांठा , गुजरात राज्य ,

पिन, ३८३२१०



© Pro. Dr. Manubhai D. Parmar

पुस्तक के किसी भी भाग या समुचित पुस्तक का किसी अन्य स्वरूप में इस्तेमाल करने या फोटो कॉपी करने से पहले लेखक की पूर्व सम्मति लेना आवश्यक है। वनों उसे कौपी राइट एक्ट का उल्लंघन माना जाएगा और ये कानूनी तौर पर अपराध है।

ISBN 978-93-86366-47-4

प्रकाशन वर्ष
अगस्त, २०१७

टाइप & सेटींग
भरत बी. पटेल
एकसेलेंस कोम्प्युटर सेन्टर, हिमतनगर

प्रिन्टिंग & बाइंडिंग
भगवती प्रिन्टिंग प्रेस, हिमतनगर

प्रकाशक
गीन फ्लेग फाउंडेशन
सोनासण, जिल्ला : साबरकांठा, गुजरात राज्य, पिन, ३८३२१०

एक प्रत का मुल्य: 225/- रु.

सुभाषितमाला

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया ।
चक्षुर्न्मलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ १ ॥

अज्ञानरूपी अन्धकार से अन्धे हुए मनुष्य की आंख को
ज्ञानरूप अञ्जन से खोलनेवाले उस गुरु को मेरा प्रणाम ॥

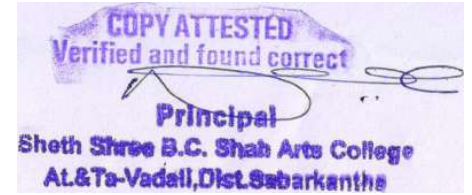
पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम् ।
मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा प्रदीयते ॥ २ ॥

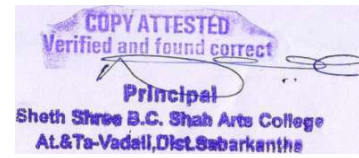
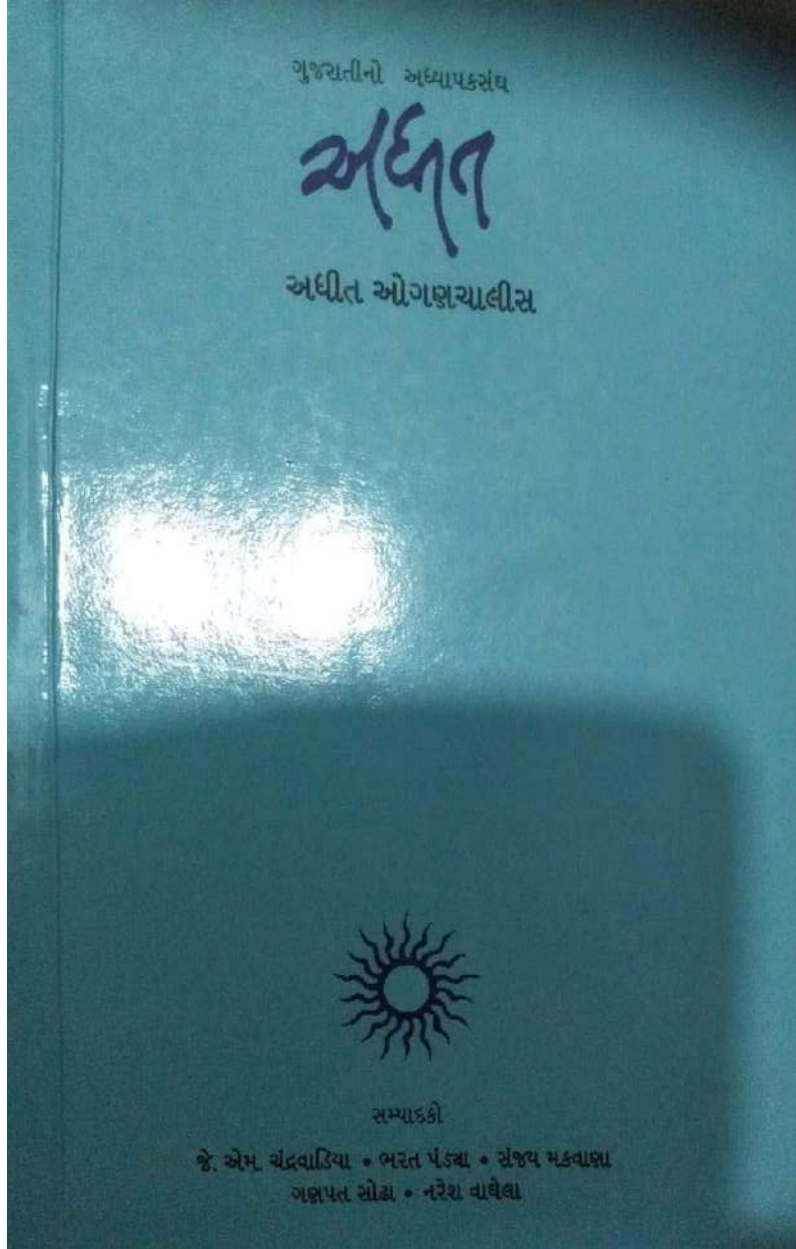
जल, अन्न और सुभाषित - यह तीन पृथ्वी में रत्न हैं,
पत्थर के टुकड़े को मूर्ख लोगों ने ही रत्नसंज्ञा दी है ।

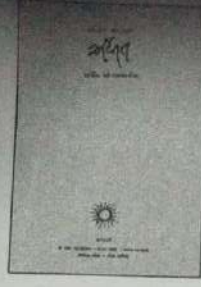
द्राक्षा म्लानमुष्ठी जाता शर्करा चाश्मतां गता ।
सुभाषितरसं दृष्ट्वा सुधा भीता दिवं गता ॥ ३ ॥

सुभाषित रस को देखकर द्राक्ष का मुख म्लान हो गया,
शर्करा पत्थर बन गई और अमृत डरकर स्वर्ग में चला गया ।

अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका ।
तृणैर्गुणत्वमापन्नैः बध्यन्ते मत्तदन्तिनः ॥ ४ ॥







કિંમત : ₹ 225

પહેલી આવૃત્તિ : ફેબ્રુઆરી, 2017

ADHIT OGANCHALISH

Edited by J. M. Chandravadia, Bharat Pandya, Sanjay Makwana,
Ganpat Sodha, Naresh Vaghela
Published by Gurjar Agency, Ahmedabad-380006 (India)

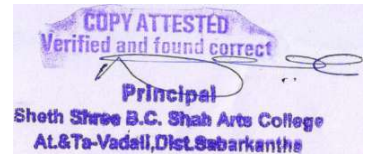
ISBN: 978-93-5162-411-0

પૃષ્ઠ: 4+212

પ્રકાશક : ગુજરાતીનો અધ્યાપક સંઘ વતી ગૂર્જર ગ્રંથરત્ન કાર્યાલય
અમરભાઈ ઠાકોરલાલ શાહ : રતનપોળનાકા સામે, ગાંધી માર્ગ, અમદાવાદ-380001
ફોન : 22144663 ■ e-mail : goorjar@yahoo.com

ટાઇપસેટિંગ : શારદા મુદ્રણાલય
૨૦૧, તિલકરાજ, પંચવટી પહેલી લેન, એલિસબ્રિજ,
અમદાવાદ-૩૮૦૦૦૬ ફોન : 2656 4279

મુદ્રક : ભગવતી ઓફસેટ
સી/૧૬, બંસીધર એસ્ટેટ, બારડોલપુરા, અમદાવાદ-૩૮૦૦૦૪



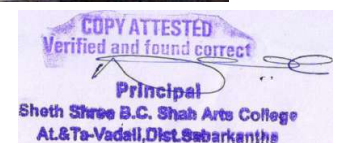
‘પોળોના પાદરમાં’ : આરણ્યક સંસ્કૃતિને ઉજાગર કરતા નિબંધો

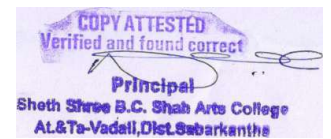
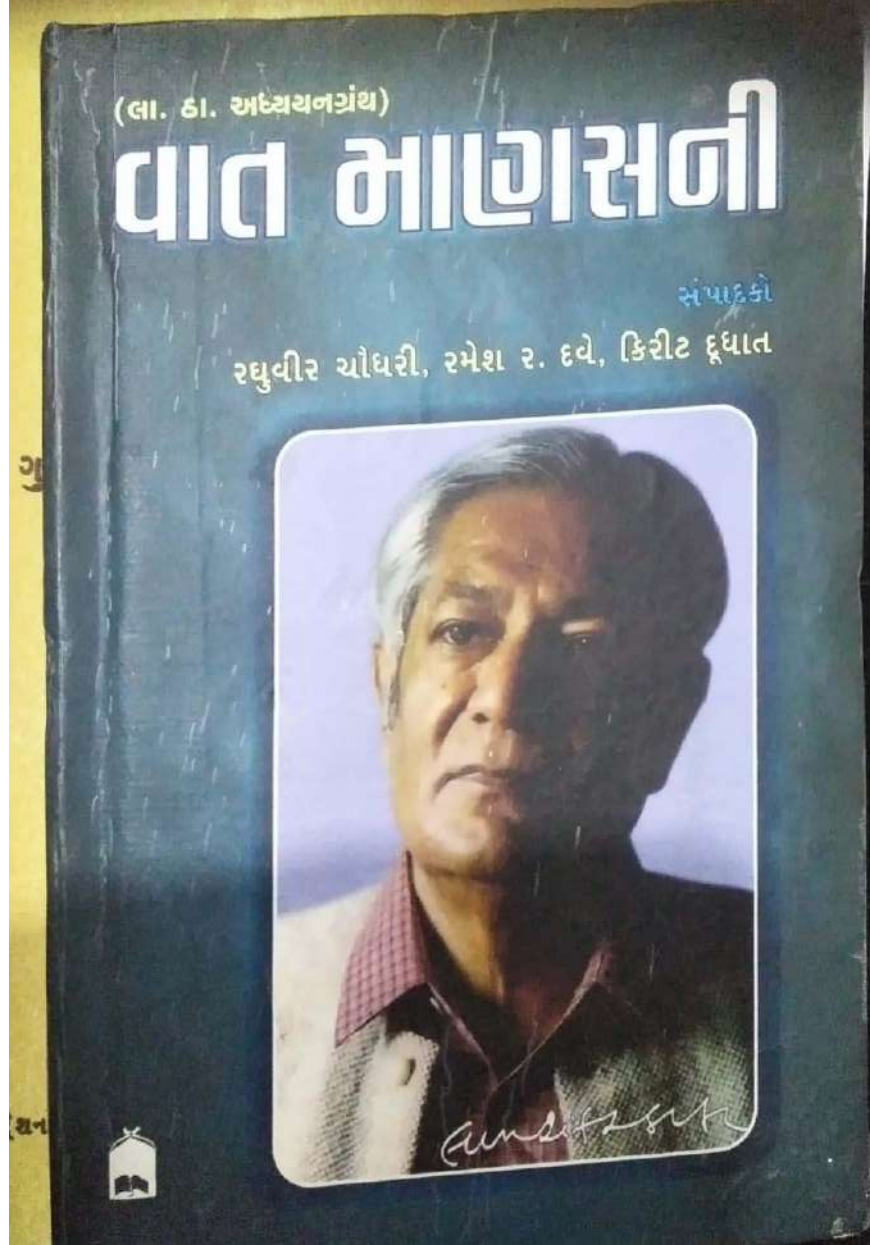
ડૉ. પ્રભુદાસ આર. પટેલ

‘પોળોના પાદરમાં’ એ ડૉ. દિનેશ પટેલિયા રચિત પોળો અને તેની આસપાસ પ્રાકૃતિક પ્રદેશમાં શ્વસતા લોકોની સાંસ્કૃતિક જીવનની ધબકને આલેખતો નવ લલિત નિબંધોનો સંચય છે. આ સંચયને ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદનું પારિતોષિક પણ પ્રાપ્ત થયું છે. આ સંચયની પ્રથમ રચનામાં જ ‘પોળો સાથેનો મારો નાભિ-નાળનો સંબંધ’ એમ કહી અરણ્યભૂમિ અને સંસ્કૃતિ સાથે આત્મીયતાનો ઓડકાર પ્રગટ કરનાર આ સર્જક પોળોથી દસેક કિ.મી. દૂર તેમનો જન્મ થયો હોઈ તથા પોળો નજીક જ તેમની જમીન-ઘર હોઈ આ સ્થળો અને સંસ્કૃતિથી ઠીકઠીક વાકેફ તો હશે જ, પરંતુ અધ્યાપકીય સજ્જતા અને કેળવાયેલી સાહિત્યરુચિએ કે જીવનરુચિને લીધે એ બધું રચનાને સરાણે ચઢે છે ત્યારે આમવાચકનેય પ્રકૃતિ-સંસ્કૃતિ માટે સમભાવ પ્રેરક બની રહે છે. આ સર્જકને પહાડો, અરણ્ય, નદીઓ, ઝરણાં, પ્રાચીન મંદિર, મૂર્તિઓ ઉપરાંત અરણ્યજનોની નોખી-અનોખી પરંપરાઓમાં રસ હોઈ ‘પોળોના પાદરમાં’ના નિબંધો મહદઅંશે એ જ વિષયવસ્તુને તાગે છે.

આ સંચયની ‘પોળોથી પોળો’, ‘વાઘમારુથી વીરેશ્વર’, ‘શારણેશ્વરના મલકમાં’ અને ‘હરણાવને કાંઠે’ જેવી રચનાઓમાં પોળોનું અરણ્ય, પ્રાચીન મંદિરો અને વનવાસી લોકસંસ્કૃતિ, હરણાવ નદી વગેરે પ્રત્યક્ષ-પરોક્ષ રૂપે ઝિલાયાં છે. પ્રથમ રચના ‘પોળોથી પોળો’ સંગ્રહની શીર્ષકસ્થ રચના છે. જેમાં પ્રારંભે જ ‘પોળો’ નામકરણ સંદર્ભે શબ્દવ્યુત્પત્તિ, તર્ક-વિતર્કને અંતે દૃશ્ય અર્થઘટન કરતાં સર્જકની ઉત્ખનનવૃત્તિનાં દર્શન થાય છે. તો રજવાડાયુગીન ગુજરાત-રાજસ્થાન સીમાંકન - ઐતિહાસિક લોકદંતકથા, પોળોના ડુંગરો - પહાડીઓ અને ડુંગરદેવીઓની લોકકથાઓ - માન્યતાઓ, પોળોમાંથી પસાર થતી હરણાવ નદી, મમરીસી તળાવ, આદિમ પ્રજા કાથોડીઓનો વન્યપ્રાણીઓ પર પ્રભાવ અને તેમની ખાણીપીણી, પોળોના હૃદય સમાં પ્રાચીન સ્મારકો - સતીમાતાની દેરી - આ બધાંનાં વર્ણનો, જનશ્રુતિઓ અને લોકમાન્યતાઓના નિરૂપણને લીધે ભાવકને સભરતાનો અનુભવ થાય છે તો આ પ્રકારના નિરૂપણમાં સર્જકની પ્રકૃતિ અભિન્ન સર્જકમુદાય અછતી

‘પોળોના પાદરમાં’ : આરણ્યક સંસ્કૃતિને ઉજાગર કરતા નિબંધો / ૧૩૯





લા.ઠા.નાં નાટકો

૪૪. એક ઉંદર અને જદુનાથ : લાખ જીવ, એક મુસીબત ૩૦૪
જયંતિ દલાલ
૪૫. કુદરતી : જીવન એ લીલા છે ૩૦૮
નીતિન મહેતા
૪૬. બાથટબમાં માછલી અને વૃક્ષ : નાટકની ભાષા શોધવાની મથામણ. ૩૧૨
જયંત ગાડીત
૪૭. લા.ઠા.ની નાટ્યસૃષ્ટિ ૩૧૬
રાજેન્દ્ર મહેતા
૪૮. લાભશંકર ઠાકરની એકાંકીકલા ૩૫૩
સતીશ વ્યાસ
૪૯. પીળું ગુલાબ અને હું : નાટકમાં નાટક અને સ્ત્રીનિર્માતાનું પાત્ર ૩૬૦
પ્રભુદાસ પટેલ
૫૦. 'કાહે કોયલ શોર મચાયે રે' ૩૭૯
સતીશ વ્યાસ
૫૧. મક્સદ : ના, બળવા-બાળવાનો નહીં, મળવાનો ! ૩૮૪
રમેશ ર. દવે
૫૨. મક્સદ ૩૯૧
રઘુવીર ચૌધરી
૫૩. 'રમત' વિશે લા.ઠા. સાથે રમત ૩૯૪
મહેન્દ્રસિંહ પરમાર
૫૪. ફેન્ટસી અને નાટકકાર લાભશંકર ૩૯૯
ચિનુ મોદી
૫૫. ખાલી પર્દા પર 'ટિલડી' અને લા'કાકા ૪૦૪
દિવા (પાણડેય) ભટ્ટ
૫૬. લાભશંકર ઠાકરનાં નાટકોમાં ભંગુરતાના વિવિધ વિવર્તો ૪૧૨
પારુલ કંદર્પ દેસાઈ

લા.ઠા.ની નવલકથાઓ

૫૭. 'કોણ ?'માં અસ્તિત્વવાદી અંશો ૪૨૧
વિજય શાસ્ત્રી
૫૮. ધરા : તીખી-તમતમતી છતાં મનભાવન ૪૩૧
રમેશ ર. દવે

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvd@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
ધિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2. Please provide web-link of research papers by title, author, Department/ School/Division/ Centre/ Unit/ Cell, name and year of publication (2018-19)

Title of the book/chapters published	Name of the teacher	Department	Name of the publisher	Year of publication
'Parytan Vishvakosh'	Dr.N.R.Patel (Principal)	Gujarati	Sarth publications	2018-19
'Natynikarsh'	Dr.P.R.Patel	Gujarati	Pranav Prakashan	2018-19
'Hindi –Pattani Adhyetakosh	Dr.P.R.Patel	Gujarati	Hindi Rashtriy Sansthan , Agra	2018-19
Sin And Rightteousness In The Gita	Dr.D.A.Mehta	English	Kirandeep publisher, Jaypur	2018-19
Innovative Perspectives On Body, Mind & Soul	Dr.G.A.Desai	Physical Education	Akshar Book Agency	2018-19
Modern Trends In Physical Education Sports & Tobic Science	Dr.G.A.Desai	Physical Education	Akshar Book Agency	2018-19




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrvdl@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

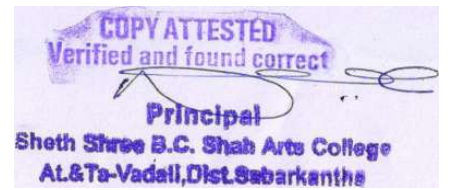
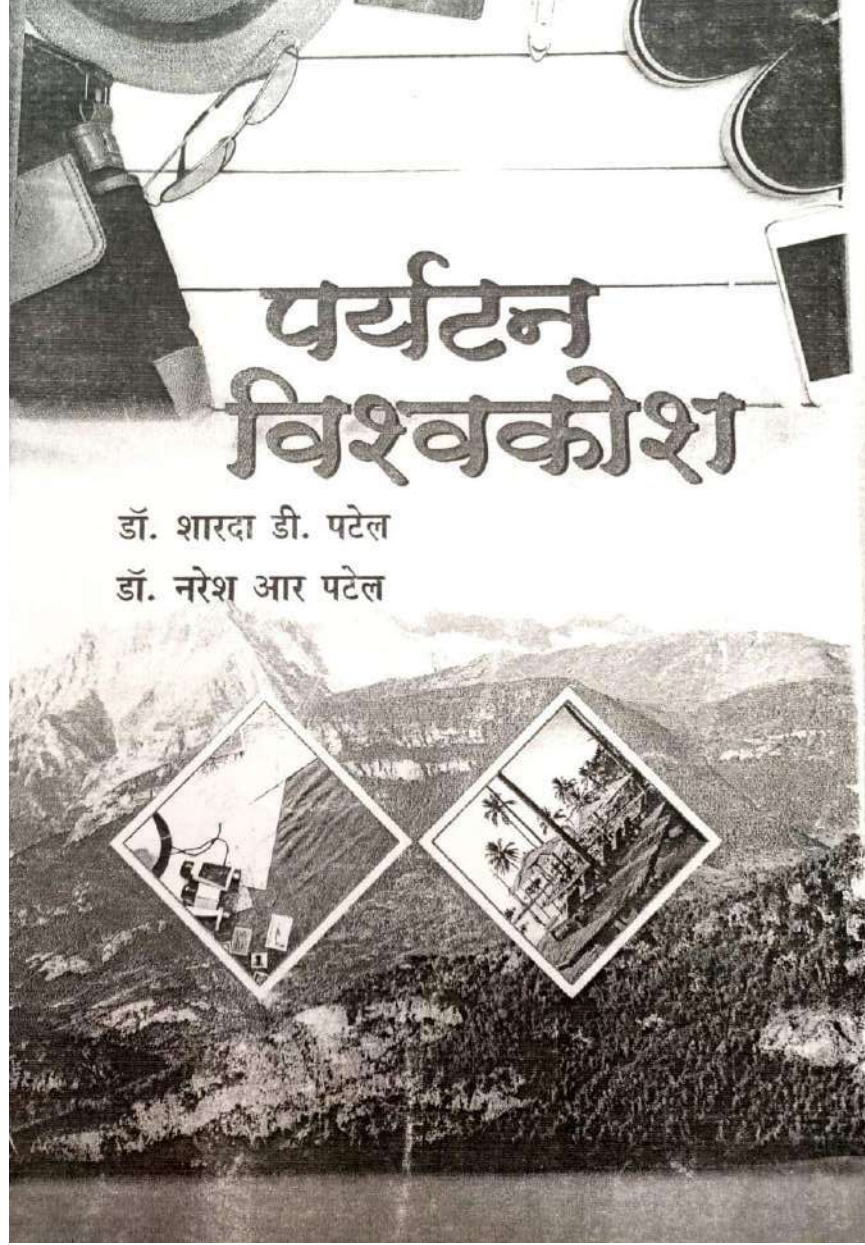
મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
બિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

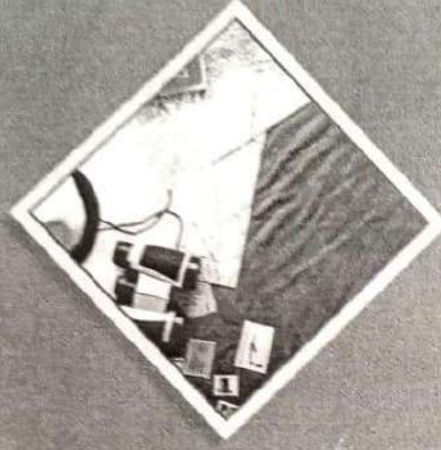
Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	ISBN/ISSN number of the proceeding	Whether at the time of publication on Affiliating Institution Was same Yes/NO	Name of the publisher
1	Dr.N.R.Patel (Principal)	'Parytan Vishvakosh'	Nil	Nil		No	Sarth publications
2	Dr.P.R.Patel	'Natynikarsh'	Nil	Nil	978-93-83174-68-3	No	Pranav Prakashan
3	Dr.P.R.Patel	'Hindi –Pattani Adhyetakosh	Nil	Nil	978-93-88039-14-7	No	Hindi Rashtriya Sansthan, Agra
4	Dr.D.A.Mehta	Sin And Righteousness In The Gita	Cultural and Intellectual Traditions in india	Nil	9788-935167-2-0	No	Kirandepublisher, Jaypur
5	Dr.G.A.Desai	Innovative Perspectives On Body, Mind & Soul	Effect of Yogaasana & pranayama on selected physiological variables	international conference on body,mind & soul : an integral & interdisciplinary perspective	978-93-86640-66-6	No	Akshar Book Agency
6	Dr.G.A.Desai	Modern Trends In Physical Education Sports & Totic Science	physiological variables sports & fitness	Nil	978-93-86640-09-3	No	Akshar Book Agency




Principal

Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha





पर्यटन विश्वकोश



Sarth Publications
Publishers & Distributors



9 789387 815049

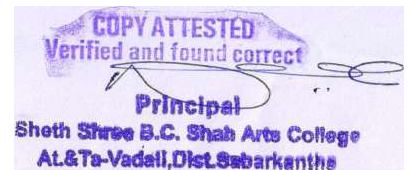
a 502, Virani Chamber, Opp. Taskent Petrol Pump, Sardar Ganj, Anand 388001 (Gujarat)

m 097379 31777 | 094265 83589

e sarthpublication1978@gmail.com

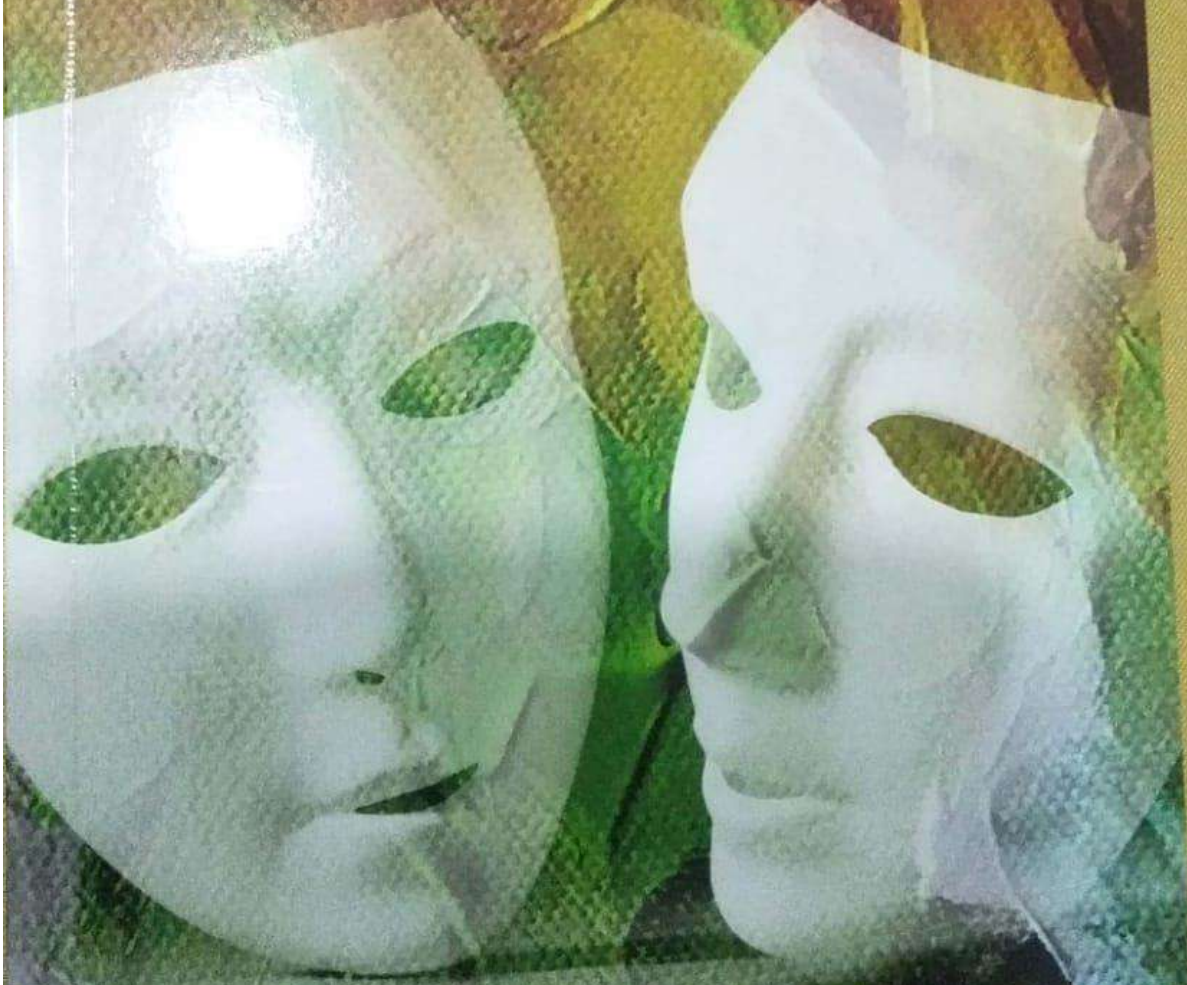
₹2195/- (Each Vol.)

Set in 5 Vols.



NATYNIKARSH -DR.P.R.PATEL

નાટ્યનિકરશ



પ્રભુદાસ પટેલ



NATYANIKASH
(Articles on Drama)
Written by Prabhudas Patel
Pranav Prakashan, Ahmedabad
2018

ISBN : 978-93-83174-68-3

© ડૉ. પ્રભુદાસ પટેલ

પ્રથમ આવૃત્તિ : ૨૦૧૮
પ્રત : ૫૦૦

મૂલ્ય : ₹ ૧૨૦.૦૦

પ્રકાશક :

ડૉ. પ્રભુદાસ પટેલ

'ઠશાવાશ્યમ', મુ. પો. રાજપુર,
તા. વિજયનગર, જિ. સાબરકાંઠા

પ્રકાશનવ્યવસ્થા અને મુખ્ય વિકેતા

પ્રણવ પ્રકાશન

૩૦, બીજે માળ, કૃષ્ણ કોમ્પ્લેક્સ,

જૂનું મોડલ સિનેમા, ગાંધી રોડ, અમદાવાદ-૩૮૦૦૦૧

ફોન : ૨૨૧૬૭૨૦૦, ૯૮૨૫૦૫૭૯૦૫

E-mail : pranavbooksworld@gmail.com

Web : www.divinepublications.org

ટાઇપસેટિંગ : સ્ટાઇલસ ગ્રાફિક્સ, અમદાવાદ

મુદ્રણ : યુનિક ઓફસેટ, અમદાવાદ



ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગરની આર્થિક સહાયથી પ્રકાશિત



INNOVATIVE PERSPECTIVES ON BODY, MIND & SOUL

: Editors :

* Dr. Kavita J. Patel

* Dr. Vijay Singh Paderiya

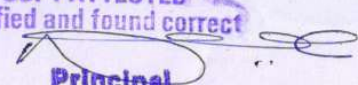
* Dr. Bimal Joshi

* Dr. Pinal Solanki



Akshar Book Agency, Ahmedabad



COPY ATTESTED
Verified and found correct

Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist. Sabarkantha

Innovative perspectives on Body, Mind & Soul
Dr. Kavita J. Patel, Dr. Bimal Joshi, Dr. Vijay Singh Paderiya, Dr. Pinal Solanki

Publishers : Akshar Book Agency
Shreeji House,
B/h. M. J. Library,
Books India Lane,
Ellisbridge, Ahmedabad.
Phone : 079-26585888

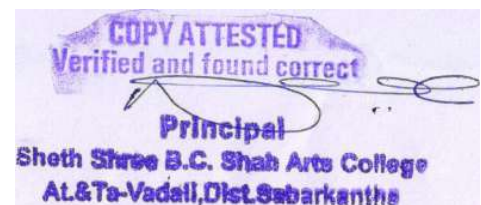
Edition : 2019

ISBN : 978-93-86640-66-6

Type Setting : Akshar Book Agency
Shreeji House,
B/h. M. J. Library,
Books India Lane,
Ellisbridge, Ahmedabad.
Phone : 079-26585888

Printer : Shreeji Offset,
Dhudheshar, Ahmedabad.

Copy : 500



INDEX

1.	Bhagvanbhai J. Bharwad A Study The Effect of Yogasana on Obesity Among Selected School Boys	1
2.	Chaudhari Anantkumar R., Chaudhary Virjibhai R. A study of effects on legs explosive strength by Yoga Training	6
3.	Dr. Ashwin H. Patel Necessity of Physical Fitness & Wellness Programme in Higher Education	8
4.	Dr. Bharat Z. Patel, Dr. Bharat M Patel a study of national road cycling championship events	11
5.	Bhartiben Braumbhatt A Study of Effects on Pulse Rate and Vital Capacity by	16
6.	Dr. Dipak K. Sheth Sports for Development and Peace	19
7.	Dilipkumar S. Patel sports injuries and rehabilitation	22
8.	Dr. Bimalkumar K. Joshi A Comparison of Self-Concept between Player and Non- Player Students	25
9.	Dr. Shweta N.Dave hawk-eye"-modern technology in cricket	29
10.	Dr. Dharmashih B Desai, Dr. Ramesh J. Chaudhri "A Comparative study of Economic and social level with reference to anxiety and adjustment of students of physical education colleges of Gujarat State"	35
11.	Dr. Pinal D Solanki rhythmic education, objectives before a discipline	38
12.	Dr. Vishnubhai G. Chaudhari Effects of Plyometric Training and Pranayama on physiological variable of school students.	42
13.	Dr. Ajitsinh A. Thakor Effect Of Yogasana On BMI & Waist/Hips Ratio Among College Students	49
14.	Dr. Manoj Parmar effect of meditation on selected coordinative abilities"	55
15.	Rahul Chavda, (Ph.D. Scholar), Dr. P. C. Chavda, Hypokinetic Disease and Exercise	58
16.	Dr. G A. Desai, Pro. R. B. Solanki Effect of Yogaasana and pranayama on selected physiological variables	61



COPY ATTESTED
Verified and found correct

Principal

Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At. & Ta. Vadali, Dist. Sabarkantha

Effect of Yogaasana and pranayama on selected physiological variables

Dr. G. A. Desai, Associate Professor, Arts College, Vadali

Pro. R. B. Solanki, Associate Professor, Arts & Commerce Collage, Talod

ABSTRACT

The objective of the study was the Effect of Yogasana and pranayama on selected physiological variables of College student of the Arts College, Vadali. For the purpose of the study (N- 45) College Boys assigned randomly selected as subject. Age of the selected subjects was ranged from 18 to 22 years. The subjects were divided into three equal groups. Group A given the training on Yogasana and pranayama for a period of six weeks on six days per week except Sunday. The group B has given the training on Yogasana and pranayama for a period six week on alternative days three days per week. The group C served as the control. Blood pressure, cardiovascular endurance, BMI and Breath holding capacity were considered as the selected physiological variables for the study. All the groups were subjected to pre-test prior to the experimental treatment. The experimental groups participated in their respective duration of 6 weeks, six days in a week throughout the study. Period of six weeks analysis of 't' test and analysis of ANCOVA was adopted. The level of significance was 0.05.

The result showed that the experimental group - A trained by Yogasana and Pranayama showed improvement thought statistically no significant gain the performance. The experimental group - B trained by Yogasana and Pranayama showed no significant differences in systolic and diastolic blood pressure cardiovascular endurance and body composition.

Keywords : Blood pressure, cardiovascular endurance, BMI, Breath holding etc.

1. Introduction

Yog is the greatest Indian concept annunciated to the world. The words Yogasana and Pranayama always used in Vedas, Upanishads, Gita and mythological scriptures etc. since ancient times. When the concept of Pranayama in its most obvious and technical form, the term Prana means breathing activity and Ayama means restrain, control or the conscious manipulation. Yoga is the art and science of living and is concerned with the evolution of mind and body. Pranayama, or breathing techniques, are important not only for supplying fresh oxygen and strengthening the lungs but because they have a direct effect on the brain and emotions. The creative energies in a constructive way, and child exhibits more self-confidence, self-awareness and self-control. Pranayama removes veil of ignorance, untruth, and afflictions from the mind, while Pranayama is relatively more effective on the level of subtle bodies although the physical body also benefits from it. Lungs, heart and brain are important parts of our body and the health of one is affect by the health of others. Pranayama is a system of rhythmic breathing, which strengthens the lunge, normalizes blood circulation, thereby curing all diseases and giving longevity. Yoga is a form of complete education that can be used with all students because it develops physiological variables and intellectual and creative talents. In this study a sincere effort has been made to investigate Yogasana and pranayama on physiological variables of College students.



COPY ATTESTED
Verified and found correct

Principal

Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At & Ta-Vadali, Dist. Sabarkantha

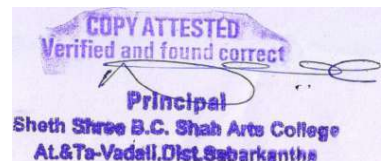
Modern Trends in Physical Education, Sports and Yogic Science



: Editors :

▶ Dr. Ramesh J. Chaudhari ◆ Dr. Dharmashih B. Desai ◆ Prof. Manoj N. Parekh

Akshar Book Agency, Ahmedabad



Sr.	Name of the Participants	Title	Page No.
		आधुनिक युग में योग का महत्व	79
26	Dr. Suresh P. Patel	Issue of Doping and Role of WADA	81
27	Dr. V. K. Chavda	A Comparative Study On Physical Fitness Components	83
28	Dr. Namrata Acharya	Between Basketball And Handball Players At University Levels	86
		YOGA AS A CAREER; Present and Future	89
29	Dr. Sugnes Chudasama	The study on Intelligence Quotient and Academic	
30	Dr. Bhemjibhai N. Patel	Achievement of Poverty Line Family's College Male Students	93
		Media and sports	99
31	Dr Harjit Kaur	Globalization of Yoga for Sustainable Mental Health and Peace	102
32	Dr. Laxmanbhai K. Parmar	A Comparative Study of Selected Physiological Variables on	
33	Dr. Parixitsinh D. Mandora	Judo & Wrestling Players	106
34	Dr. Jashabhai Gopalbhai Patel	परंपरागत भारतीय खेलों का सामाजिक दर्शन	107
	Prof. Manoj N. Parekh	Comparision of Leadership Behaviour and Competative	
35	Dr. Vikas Prajapati	Behaviour Amongst Female Football and Hockey Players	109
36	Dr. Yogesh B. Jani	Effects of Classified Exercise on Selected Physiological	
	Dr. Bharat M. Patel	Variables of Divyang (Mentally Challenged) Children	118
	Dr. Kanu M. Chaudhari	Use of Virtual Reality Technology in Sports and Physical	
37	Dr. Tanvi Tarpara	Education	120
	Dr. Dilip Gholap	सेहत और मानसिक तनाव के संचालन के लिए स्पोर्ट्स और योग	12
38	Dr. Karsan N. Ravat	Effect of Parant Literacy on Physical Fitness of their Son	12
39	Dr. Dharmendra K. Dhanula	DOPING IN SPORTS	12
40	Prof. Devendrasinh B. Rana	Issue of Doping and Role of Wada	12
41	Ms. Bharti J. Brahmhatt	Issue of Doping and Role of Wada	12
42	Dr. Dipak K. Sheth	A Study on Effects of Aerobics and Circuit Trainings on Speed	1
43	Dr. Mukesh Patel		
	Dr. Bharat Patel	Understanding Participation in Sport and Physical	
44	Prof. Narendrasinh S. Chaudhari	Activity Among Children and Adults	
	Prof. Ashokbhai G. Patel	Analysis of Speed on Among College, District, University	
45	Dr. Rameshbhai D. Chaudhari	and State Level Volleyball Teams	
46	Dr. Rameshchandra H. Patel	Importance of Sports Psychology in Physical Education	
		and Sports	
47	Dr. Sanjay S. Dabhade	Issue of Doping and Role Of WADA	
48	Prof. Kirit J. Roy	Modern Trend of Educational Technology in Physical	
		Education of Colleges and Universities	
49	Dr. Ajitkumar Jivanlal Parmar	Role of Management in Sports	
	Prof. Jayeshkumar B. Parmar		
50	Dr. Jayendrasinh P. Thakor	Health Benefits of Yoga For Women	
51	Dr. Bimalkumar K. Joshi	Effectiveness of Skill related Circuit Training on Game	
		Skill of boys players of Cricket games	
52	Prof. Dilip G. Chaudhary	Importance of Aerobic and Anaerobic Capacity in Fitness	
53	Dr. Gandabhai A. Desai	Spots and Fitness	
54	Prof. Kailasgiri K Goswami	Yoga career scope, eligibility and job prospect in present	
	Dr. Pravinkumar V. Chaudhary	and future	



COPY ATTESTED
Verified and found correct
 Principal
 Sheth Shree B.C. Shah Arts College
 At & Ta-Vadali, Dist. Sabarkantha

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvdl@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
પ્રિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2. Please provide web-link of research papers by title, author, Department/ School/Division/ Centre/ Unit/ Cell, name and year of publication (2019-20)

Title of the book/chapters published	Name of the teacher	Department	Name of the publisher	Year of publication
History Of Gujarat - Unit -11 Political Achievements of Sidhharaj Jaysinh	Dr.J.G.Chaudhari	History	BAOU,AHMEDABAD	2019-20
History Of Gujarat -Unit -12 Political Achievements of Kumapad	Dr.J.G.Chaudhari	History	BAOU,AHMEDABAD	2019-20




Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvdl@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
બિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Title of the paper	Title of the proceedings of the conference	ISBN/ISSN number of the proceeding	Whether at the time of publication Affiliating Institution Was same Yes/NO	Name of the publisher
1	Dr.J.G.Chaudhari	History Of Gujarat	Unit -11 Political Achievements of Sidharaj Jaysinh	Nil	93-89909-06-7	No	BAOU,AHMEDABAD
2	Dr.J.G.Chaudhari	History Of Gujarat	Unit -12 Political Achievements of Kumapad	Nil	93-89909-06-8	No	BAOU,AHMEDABAD





Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

1 - VANRAJ CHAVADA & ESTABLISHMENT OF ANHILPUR PATAN - DR. J.G.CHAUDHARI
2 - ACHIEVEMENTS BEFOUR MULRAJ SOLANKI & BHIMDEV - 1 - DR. J.G.CHAUDHARI

BAOU
Education for All

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

પ્રથમ વર્ષ બી.એ. - ઇતિહાસ
પેપર - ૨
(મુખ્ય તથા ગૌણ)
HISM / HISS-102
ગુજરાતનો ઇતિહાસ
(પ્રાગૈતિહાસિક યુગથી ઈ.સ.૧૩૦૪ સુધી)



વિભાગ-૩ યાવડાવંશ થી સોલંકી યુગ સુધી

BAOU
Education for All

યુનિવર્સિટી ગીત

સ્વાધ્યાય: પરમં તપ:
સ્વાધ્યાય: પરમં તપ:
સ્વાધ્યાય: પરમં તપ:

શિક્ષણ, સંસ્કૃતિ, સદ્ભાવ, દિવ્યભોખનું પામ.
ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી નામ:
સૌને સૌની પાંખ મળે, ને સૌને સૌનું આભ,
દશે દિશામાં સ્મિત વહે હો દશે દિશે શુભ-લાભ.

અભણ રહી અજ્ઞાનના શાને, અંધકારને પીવો ?
કહે બુદ્ધ આંબેડકર કહે, તું યા તારો દીવો;
શારદીય અજવાળા પહોંચ્યો ગુર્જર ગામે ગામ
યુવ તારકની જેમ જ્યહલળે એકલવ્યની શાન.

સરસ્વતીના મધુર તમારે કળિયે આવી ગહંકે
અંધકારને હડસેલીને ઉજાસના કૂલ મહંકે;
બંધન નહીં કો સ્થાન સમપના જવું ન પરથી દૂર
પર આવી મા હરે શારદા દેવ્ય તિમિરના પૂર.

સંસ્કારોની યુગ્ય મલોકે, મન મંદિરને પામે
સુખની ટપાલ પહોંચે સૌને પોતાને સરનામે;
સમ્રાજ કેરે ઈરિયે હાંકી શિક્ષણ રેતું વદાણ,
આવો કરીવે આપણ સૌ
બવ્ય રાષ્ટ્ર નિર્માણ...
દિવ્ય રાષ્ટ્ર નિર્માણ...
બવ્ય રાષ્ટ્ર નિર્માણ

○

DR. BABASAHEB AMBEDKAR OPEN UNIVERSITY
(Established by Government of Gujarat)
Jyotima Parkar
Sarkhej-Gandhinagar Highway, Chintamani, Ahmedabad-382 481
Website : www.baou.edu.in

BAOU
Education for All

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

HISM/HISS-102
ગુજરાતનો ઇતિહાસ
(પ્રાગૈતિહાસિક યુગથી ઈ.સ.૧૩૦૪ સુધી)

વિભાગ-૩ યાવડાવંશ થી સોલંકી યુગ સુધી	4
એકમ-૭ વનરાજ ચાવડા અને અણહિલવાડ પાટણની સ્થાપના	
એકમ-૧૦ મુળરાજ તથા ભીમદેવ-૧ પહેલ્યાની સિધ્ધીઓ	
એકમ-૧૧ સિદ્ધરાજ જયસિંહની રાજકીય સિધ્ધીઓ	
એકમ-૧૨ કુમારપાળની રાજકીય સિધ્ધીઓ	
એકમ-૧૩ કુમારપાળની સાંસ્કૃતિક સિધ્ધીઓ	
એકમ-૧૪ દેમચંદ્રચર્ચ અને તેમનું શિષ્ય મંડળ	

સંપાદન:	
પ્રો. ડૉ. અમી ઈપાધ્યાય	નિયામક, ફૂલ શોરુમિનિટીઝ એન્ડ સોશલ સાયન્સિસ, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
ડૉ. સોનલ ચૌધરી	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
વિષય સમિતિ:	
ડૉ. સોનલ ચૌધરી	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
ડૉ. અરુણ વાઘેલ	પ્રોફેસર અને અધ્યાક્ષ, ઇતિહાસ વિભાગ, ગુજરાત યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
ડૉ. લલિત પટેલ	પિન્નીપાલ, શ્રી અને શ્રીમતી પી.કે. શેઠવાલ અદેસ શેલેજ, પાટણ
પરામર્શન (વિષયક):	
ડૉ. અરુણ વાઘેલ	પ્રોફેસર અને અધ્યાક્ષ, ઇતિહાસ વિભાગ, ગુજરાત યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
ડૉ. જગદિશ ચૌધરી	પિન્નીપાલ, એસ. વી. આદેસ શેલેજ, અમદાવાદ
ડૉ. અનસુયા ચૌધરી	પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, તૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી, રાજકોટ
લેખન:	
ડૉ. સંજય પટેલ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, તરકશી અદેસ શેલેજ, તમી
ડૉ. જશરાજ ઓપરી	એસોસિએટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, અદેસ એન્ડ કોમર્સ શેલેજ, વડાલી
ડૉ. ભાવિન પરમાર	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, ગુજરાત અદેસ એન્ડ કોમર્સ શેલેજ (સાંજની), અમદાવાદ
ડૉ. હરેશ પંચાલ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ઇતિહાસ વિભાગ, નવજીવન અદેસ એન્ડ કોમર્સ શેલેજ, દાણે.
પરામર્શન (ભાષા):	
ડૉ. જીતલ સહોડ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ગુજરાતી, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
ડૉ. જાગૃતિ મહેતા	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ગુજરાતી, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
ડૉ. દિનેશ ભંડેમણીયા	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર, ગુજરાતી, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી
પ્રકાશક: ડૉ. ભાવિન ત્રિવેદી, કાર્યકારી ફલસર્ચિવ, ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ.	



COPY ATTESTED
Verified and found correct

Principal

Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvd1@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



(Established : June 1995)

મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
ધિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2. Please provide web-link of research papers by title, author, Department/
School/Division/ Centre/ Unit/ Cell, name and year of publication (2020-21)

Title of the book/chapters published	Name of the teacher	department	Name of the publisher	Year of publication
Shabdvimarsh	Dr.Prabhudas R.Patel	gujarati	Abhilasha publication	2020-21

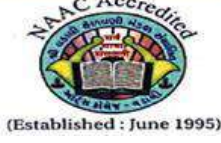



Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

Shree Vadali Kelvani Mandal Managed by

SHETH SHREE BHURALAL CHHAGANLAL SHAH ARTS COLLEGE, VADALI

At-Po & Ta : Vadali,
Dist : Sabarkantha,
(Gujrat) Pin : 383 235
Ph. (02778) (O) 220074
e-mail : nrpvd1@yahoo.co.in
www.artscollegevadali.org



મુ. પો. તા. વડાલી, જિ. સાબરકાંઠા.
(ગુજરાત) પીન : ૩૮૩ ૨૩૫
ફોન : (૦૨૭૭૮) (ઓ.) ૨૨૦૦૭૪
પ્રિ. : ડૉ. નરેશભાઈ આર. પટેલ
મો. ૯૮૭૯૫૮૪૮૯૨

2020-21

Sl. No.	Name of the teacher	Title of the book/chapters published	Year of publication	ISBN/ISSN number of the proceeding	Whether at the time of publication Affiliating Institution Was same Yes/NO	Name of the publisher
18	Dr.Prabhudas R.Patel	Shabdvimarsh	2020-21	978-81-942321-3-1	No	Abhilasha publication



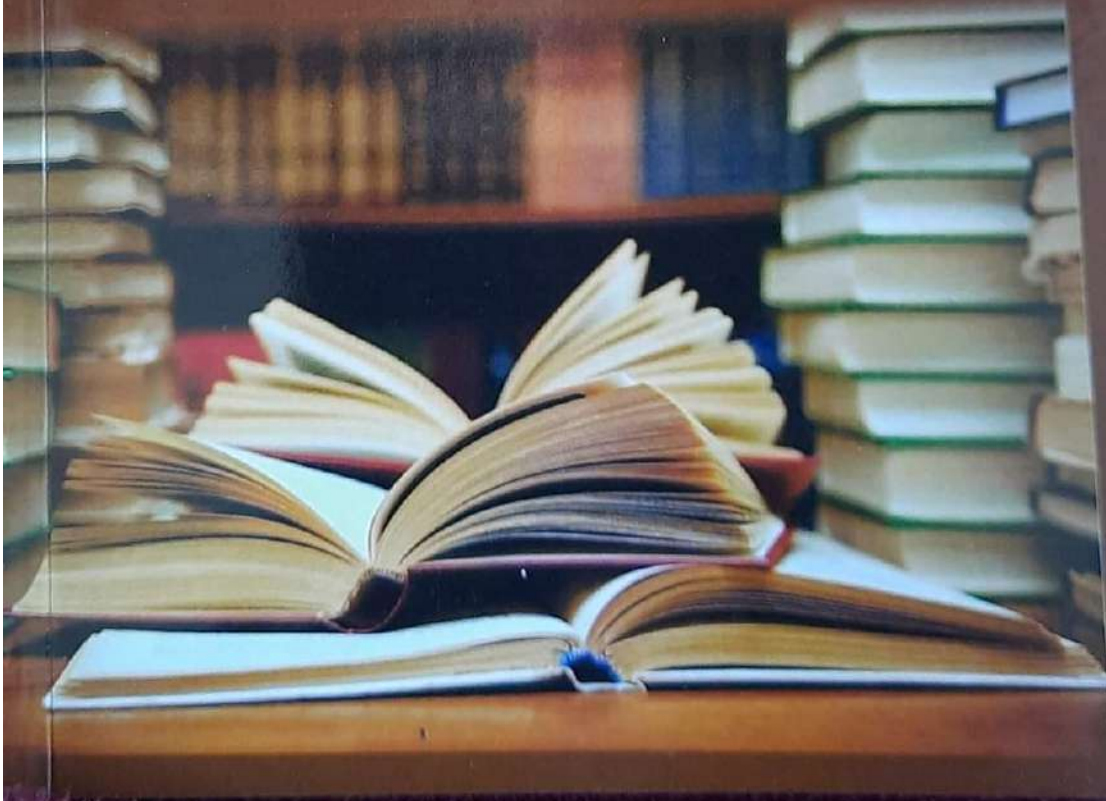

Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
At.&Ta-Vadali, Dist.Sabarkantha

SHABDVIMARSH - DR.P.R.PATEL

ISBN : 978-81-942321-3-1

शब्दविमर्श

डॉ. प्रभुदास आर. पटेल



COPY ATTESTED
Verified and found correct
Principal
Sheth Shree B.C. Shah Arts College
Al.&Ta-Vadaili, Dist. Sabarkantha